

संपादकीय : मतदाता का हक

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया जिस तरह अपने शुरुआती दौर से ही कई स्तर पर विवादों के घेरे में रही है, उसके महेनजर यह जरूरी है कि इस मसले पर एक ठोस स्पष्टता कायम हो। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एक भी पात्र मतदाता वोट देने के हक से वंचित न हो। विडंबना यह है कि निर्वाचन आयोग की ओर से जब से एसआईआर के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में अभियान चलाया जा रहा है, तभी से इसे लेकर कोई न कोई विवाद उभरते रहे हैं। विपक्षी दलों की ओर से इसकी पारदर्शिता और मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि अपात्र होने के तर्क पर मतदाता सूची में लोगों के नाम शामिल करने या उससे हटाने के मसले पर अब तक कोई स्पष्टता कायम नहीं हो सकी है। जब भी एसआईआर की किसी खामी पर सवाल उठाए जाते हैं, तो निर्वाचन आयोग की ओर से कोई नया समाधान पेश कर दिया जाता है। जबकि कई मौकों पर आयोग का फरमान कठघरे में पाया गया है। दरअसल, दिल्ली में एसआईआर के क्रम में ड्राफ्ट सूची से बाहर हुए वैसे मतदाताओं को भी फार्म 6 भर कर नए सिरे से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने को कहा गया, जिनका नाम पहले की सूची में था। जबकि फार्म 6 वैसे लोगों के लिए निर्धारित है, जो पहली बार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना चाहते हैं। समझना मुश्किल है कि ऐसा करने के पीछे आयोग की क्या मंशा है। इस मसले पर दाखिल एक याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से यह पूछा कि पहले से मतदाता रहे लोगों का नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं आने पर उनसे फार्म 6 क्यों भरवाया जा रहा है, जबकि यह सिर्फ नए मतदाताओं के लिए है। गौरतलब है कि दिल्ली में हुए एसआईआर

के क्रम में जब ड्राफ्ट मतदाता सूची सामने आई, तो उसमें से करीब सैंतालीस लाख लोगों के नाम हटा दिए गए। इनमें करीब तैंतालीस लाख लोगों को स्थायी रूप से स्थानांतरित या अनुपस्थित और लगभग दो लाख को मृत बताया गया। मगर विचित्र यह है कि जिन लोगों ने गलत तरीके से अपना नाम हटाने के विरुद्ध दावा किया, उनके सामने नए मतदाता के रूप में नाम दर्ज कराने का विकल्प रखा गया। सवाल है कि पहले से मतदाता रहे किसी व्यक्ति के सामने नए वोटर के रूप में नाम शामिल किए जाने के बाद अगर भविष्य में तकनीकी रूप से कोई समस्या खड़ी होगी, तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा ड्राफ्ट सूची में नाम न होने के बाद कोई व्यक्ति दस्तावेजों के साथ अपने पहले से मतदाता होने की सूचना देने की कोशिश करे, तो उसे नए मतदाता के रूप में सूचीबद्ध होने के लिए कैसे कहा जा सकता है ? नोटिस का जवाब देने में देरी की कई वजहें हो सकती हैं। मगर क्या इसके एवज में व्यक्ति से मतदाता होने का अधिकार हमेशा के लिए छीना जा सकता है? सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने भी इसे 'संरचनात्मक असंगति' बताया और इसे दूर करने की जरूरत बताई। इसके अलावा भी एसआईआर की प्रक्रिया में व्यापक खामियां सामने आ चुकी हैं। पश्चिम बंगाल में अपीलीय न्यायाधिकरणों में दावे के बाद नब्बे फीसद से ज्यादा लोगों के नाम फिर से मतदाता सूची में बहाल किए गए। यह किसकी लापरवाही और गड़बड़ी का नतीजा था ? ध्यान रखने की जरूरत है कि महज तकनीकी जटिलताओं में उलझा कर पात्र लोगों के नाम भी मतदाता सूची से बाहर किए गए, तो इससे देश के लोकतंत्र के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी होगी।

कथनी और करनी

राजनीति में विपक्ष और सत्ता की भाषा का फर्क नया नहीं है, पर दिल्ली में आनलाइन शराब बिक्री को बढ़ावा देने की तैयारी इस फर्क को थोड़ा ज्यादा साफ करती है। दिल्ली में तत्कालीन आम आदमी पार्टी सरकार की आबकारी नीति में वेबसाइट और ऐप के जरिए शराब की उपलब्धता का प्रावधान था। तब भाजपा ने इसे युवाओं के भविष्य से खिलवाड़, महिलाओं की सुरक्षा पर खतरा और भ्रष्टाचार का जरिया बताया था। सड़कों पर प्रदर्शन हुए, घोटाले के आरोप लगे और नीति को 'पाप' तक कहा गया। आज खुद भाजपा सत्ता में है और वही व्यवस्था उसे सुविधाजनक लगने लगी है। अब सत्ता में आने के बाद भाजपा का तर्क है कि यह सिलसिला पिछली सरकार ने शुरू किया था। सवाल है कि जिस नीति पर भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और जिसे वापस लिया गया था, उसी से अब उसे इतना लगाव क्यों दिखने लगा है ? पुरानी सरकार की किसी नीति को अगर अर्वांचित या गलत माना जाता है, तो उसे बदलने या रोकने की जिम्मेदारी नई सरकार की होती है। कोई नीति 'पहले से लागू है' जैसी दलील दरअसल जवाबदेही से पलायन है। यह

विरोधाभास दिल्ली तक सीमित नहीं है। पंजाब जैसे राज्य में नशे की समस्या राजनीतिक विमर्श का बड़ा विषय रही है। वहां नशे के खिलाफ अभियान और सरकारों की जवाबदेही पर जोर देने वाले दलों से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे शराब की उपलब्धता और उसके सामाजिक प्रभावों पर समान कसौटी अपनाएं। नशे के खिलाफ चिंता विपक्ष में रहते हुए ही नहीं, सत्ता में आने के बाद भी दिखनी चाहिए। जिन राज्यों में भाजपा विपक्ष में है, वहां उसके नेता नशे के खिलाफ मोर्चा खोलते हैं और बुवाओं को नशामुक्त का पाठ पढ़ाते हैं। जहां सरकार अपनी है, वहां शराब की आसान उपलब्धता पर सवाल उठाने वाला कोई नहीं। फैसेले सरकार के होते हैं, पर संगठन की चुप्पी बताती है कि सिद्धांत सुविधा देखकर तय होते हैं। शराब की आनलाइन बिक्री से उपजी आशंकाएं काल्पनिक नहीं हैं। राजनीति में रुख बदलना नई बात नहीं, लेकिन इससे जनता का भरोसा कमजोर होता है। विपक्ष में रहते हुए नैतिकता को मुद्दा बनाना और सत्ता में आने पर राजस्व की दुहाई देना दरअसल कथनी और करनी के फर्क को ही दर्शाता है।

गहलोत का बड़ा आरोप ‘मुंह बंद रखने के लिए उदयपुर IG को दी प्राइम पोस्टिंग’!! छीनाझपटी और थप्पड़ कांड का किया जिक्र!! बोले—यूडीए भ्रष्टाचार का बड़ा अड्डा



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में एसीएस शिखर अग्रवाल से जुड़े विवाद ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जुड़े एक आईजी को मुख्यमंत्री के सामने हुए घटनाक्रम के बाद दंडित करने के बजाय उदयपुर जैसी महत्वपूर्ण पोस्टिंग दी गई। गहलोत ने दावा किया कि

संबंधित अधिकारी को चुप रखने के उद्देश्य से यह पोस्टिंग दी गई थी। गहलोत ने पूरे प्रकरण की सीबीआई और ईडी से जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि केवल एपीओ करना पर्याप्त नहीं है और मुख्यमंत्री को सामने आकर जवाब देना चाहिए। गहलोत ने शिखर अग्रवाल को 40 विला दिए जाने से जुड़ी खबरों को चौकाने वाला बताते हुए इसे सरकार के करीब तीन साल के कार्यकाल का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में संबंधित कंपनी को छूट दी गई थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आरोप मुख्यमंत्री कार्यालय और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंच रहे

हैं, तो जांच की जिम्मेदारी भी सरकार को स्पष्ट रूप से तय करनी चाहिए।

उदयपुर विकास प्राधिकरण भ्रष्टाचार का बड़ा अड्डा

गहलोत ने उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राधिकरण में दलालों का नेटवर्क सक्रिय है और शिखर अग्रवाल के उदयपुर में कलेक्टर रहने के दौरान ही कथित गड़बड़ियों की शुरुआत हुई थी। गहलोत ने कहा कि उदयपुर में भ्रष्टाचार की स्थिति जयपुर से कम नहीं है और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

सीएमओ के आईजी की पोस्टिंग पर सवाल

राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में दम दिखाएंगे उदयपुर के लोकेश पटेल, राजस्थान टीम के साथ पटना रवाना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 अक्टूबर। बिहार के पटना स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 1 से 4 नवंबर तक आयोजित होने

वाली 52वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता में उदयपुर के खिलाड़ी लोकेश पटेल राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य की जूनियर कबड्डी टीम में चयनित लोकेश शुक्रवार को टीम के साथ पटना के लिए रवाना हुए। जिला कबड्डी संघ उदयपुर के सचिव मुकेश जैन ने बताया कि लोकेश उभरते हुए जूनियर खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उनका चयन उदयपुर के लिए गौरव की बात है। प्रतियोगिता में देशभर

की टीमों हिस्सा लेंगी, जहां खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। लोकेश के चयन पर जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह खनुजा, आयोजन सचिव जालमचंद जैन, उदयपुर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विनोद साहू, जिला संघ के उपाध्यक्ष सत्यनारायण सिंह गहलोत, प्रशिक्षक कपिल जैन, संयुक्त सचिव श्याम सुंदर शर्मा और नरेश रेवारी सहित कई खेल प्रेमियों ने बधाई देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

चुनावी ड्यूटी से गायब रहने पर जयपुर पुलिस कमिश्नर का एक्शन, 4 प्रशिक्षु कांस्टेबल बर्खास्त

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता और कर्तव्य के प्रति लापरवाही पर सख्ती दिखाते हुए पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने चार प्रशिक्षु कांस्टेबलों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। आरोप है कि ये पुलिसकर्मी बिना आधिकारिक अनुमति के लंबे समय से अनुपस्थित थे और निर्वाचन जैसी महत्वपूर्ण ड्यूटी के आदेश के बावजूद ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए। सेवा से पृथक किए गए प्रशिक्षु कांस्टेबलों में लोकेश कश्यप, विजय सिंह, मोहरी लाल और बजरंग लाल

शामिल हैं। इस संबंध में डीसीपी (मुख्यालय) अनुष्ठा कालिया ने आदेश जारी किए हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने स्पष्ट किया कि पुलिस बल में अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्वाचन जैसी महत्वपूर्ण ड्यूटी से बिना अनुमति गैरहाजिर रहना गंभीर अनुशासनहीनता है। किसी भी कार्मिक की अनधिकृत अनुपस्थिति से ड्यूटी व्यवस्था प्रभावित होने के साथ पूरे पुलिस बल के अनुशासन पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। इसी को देखते हुए चारों प्रशिक्षु कांस्टेबलों को सेवा से हटाने की कार्रवाई की गई।

द टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपना घर आश्रम में की सेवा, खाद्य सामग्री और कंबल भेंट किए



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 अक्टूबर। द टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से 'फेस्टिवल डेलीगेट' कार्यक्रम के तहत अपना घर आश्रम, उदयपुर में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य के आतिथ्य में आश्रम में निवासरत प्रभुजनों के लिए खाद्य सामग्री और कंबल भेंट किए गए। सेवा गतिविधि के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता और मानवीय संवेदना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में द टाइम्स ऑफ इंडिया के उदयपुर हेड सुदर्शन यादव ने आयोजन की रूपरेखा

और उद्देश्य की जानकारी दी। आश्रम अध्यक्ष गोपाल कनेरिया ने आश्रम की कार्यप्रणाली और सेवा गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अपना घर आश्रम, उदयपुर अब तक उदयपुर संभाग में लावारिस, असहाय और बेसहारा अवस्था में मिले 433 प्रभुजनों का रेस्क्यू कर उन्हें सेवा, उपचार और पुनर्वास के उद्देश्य से आश्रम में भर्ती कर चुका है। इनमें से उपचार और देखभाल के बाद 122 प्रभुजनों को उनके परिवारजनों से मिलाया जा चुका है। कनेरिया ने बताया कि आश्रम में प्रभुजनों को परिवार जैसा वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी आवश्यकताओं, स्वास्थ्य और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाता है। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक आदित्य ने आश्रम की सेवा को 'नर सेवा ही नारायण सेवा' का श्रेष्ठ उदाहरण बताया। आश्रम संरक्षक सुरेश विजयवर्गीय और अध्यक्ष गोपाल कनेरिया ने डॉ. अशोक आदित्य का तिलक लगाकर, उपरना ओढ़ाकर तथा आश्रम साहित्य और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में आश्रम सदस्य मंजू शर्मा और विनोद चौहान भी उपस्थित रहे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

wathsapp : 8852073787

उन्होंने दावा किया कि उस समय मुख्यमंत्री के सामने छीनाझपटी और थप्पड़ मारे जाने जैसी बातें सामने आई थीं। गहलोत के मुताबिक, इसके बावजूद संबंधित आईजी को उदयपुर में महत्वपूर्ण पद पर तैनात किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पोस्टिंग अधिकारी को चुप रखने के उद्देश्य से दी गई थी। इस कथित घटनाक्रम और पोस्टिंग के पीछे बताए गए कारणों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित अधिकारियों का पक्ष भी सामने आना बाकी है।

मुख्यमंत्री के रिश्तेदार को लेकर भी लगाए आरोप

गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रिश्तेदार प्रमोद शर्मा का मामला उठाते हुए आरोप

लगाया कि पुलिस रिकॉर्ड में फरार बताए जाने के बावजूद वे जयपुर में घूम रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रमोद शर्मा को उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले भरतपुर में पकड़ा गया था और शपथ ग्रहण से ठीक पहले उनका मामला बंद कर दिया गया। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री को पद संभालने के समय उन्होंने रिश्तेदारों को सत्ता और प्रशासन से दूर रखने की सलाह दी थी। गहलोत के इन बयानों ने शिखर अग्रवाल प्रकरण को प्रशासनिक कार्रवाई से आगे बढ़ाकर राजनीतिक जवाबदेही और जांच एजेंसियों की भूमिका के सवाल पर ला खड़ा किया है। उदयपुर आईजी वाले आरोपों पर भी प्रशासनिक हलकों में सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

उदयपुर में शनिवार को यहां पर 5 घंटे बिजली रहेगी बंद



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में शनिवार, 31 अक्टूबर को बिजली रखरखाव के चलते 20 से अधिक इलाकों में पांच घंटे तक बिजली बंद रहेगी। अजमेर विद्युत वितरण निगम (एवीवीएनएल) के अनुसार, आरसीए जीएसएस से जुड़े क्षेत्रों में सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रखी जाएगी। इसके चलते घरेलू कामकाज के साथ दुकानों और व्यावसायिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

इन इलाकों में रहेगी बिजली कटौती

बिजली बंद रहने वाले क्षेत्रों में

विधानसभाध्यक्ष देवनानी से मिला पालीवाल ब्राह्मण समाज का प्रतिनिधि मंडल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पालीवाल ब्राह्मण समाज संस्था 44 श्रेणी उदयपुर के प्रतिनिधि मंडल ने सर्किट हाउस में प्रो. वासुदेव देवनानी विधानसभाध्यक्ष से मुलाकात की। समाज अध्यक्ष यशवन्त पालीवाल ने पालीवाल समाज की गतिविधियों की जानकारी दी और पालीवाल दिशा पत्रिका के प्रकाशित तीन अंक भी भेंट किए। यशवन्त पालीवाल ने बताया कि नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त इस वर्ष सरकार से रियायती दर पर भूमि क्रय कर कौशल विकास केन्द्र की स्थापना का लक्ष्य रखा है जिसे समाज व सरकार के सहयोग से पूर्ण किया जाएगा, जिसमें रोजगारोन्मुखी

सहित विभिन्न विषयों के प्रशिक्षण की सुविधा होगी। देवनानी ने पालीवाल ब्राह्मण समाज 44 श्रेणी को हरसंभव सहायता के लिए आश्वस्त किया और समाज में चल रही गतिविधियों में भी सहयोग देने का आश्वासन दिया। समाज अध्यक्ष ने आगामी कार्यक्रम में देवनानी को निमंत्रित कर आने का आग्रह किया और उन्होंने उसी समय स्वीकृति प्रदान की। गोविन्द पालीवाल, मोहन पालीवाल, देवेन्द्र पालीवाल, चन्द्रशेखर पालीवाल, गजेन्द्र पालीवाल, महेश जोशी, आर.सी. पुरोहित, अश्विनी पालीवाल सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी प्रचार प्रमुख महेश जोशी ने दी।



पेट्रोल पंप पर 134 लीटर डीजल का अंतर, हवा की मशीन खराब और पीने के पानी में गंदगी; प्रशासन के औचक निरीक्षण में मिली खामियां



24 न्यूज अपडेट हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 'हमारा पंप' पर प्रशासनिक अधिकारियों के प्रतापगढ़/छोटीसादड़ी जिले के संयुक्त दल के औचक निरीक्षण में ईंधन छोटीसादड़ी क्षेत्र के सियाखेड़ी स्थित स्टॉक से लेकर उपभोक्ता सुविधाओं तक

पत्नी की हत्या कर शव के पास बैठा रहा पति, कमरे में तीन बच्चे भी मौजूद दो दिन तक कमरे में पड़ा रहा शव, दुर्गंध उठने पर पड़ोसियों ने पुलिस को बुलाया, आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट जयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के द्वारकापुरी अपार्टमेंट में पत्नी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने पत्नी की हत्या कर दी और शव के पास ही कमरे में बैठा रहा। कमरे में दंपती के तीन बच्चे भी मौजूद थे। करीब दो दिन बाद कमरे से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति प्रदीप (42) को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी विक्रान्त शर्मा के अनुसार, अपार्टमेंट

की छठी मंजिल पर स्थित कमरे में 38 वर्षीय लक्ष्मी का शव मिला। प्रारंभिक जांच में महिला की मौत करीब दो दिन पहले होने की बात सामने आई है। पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए और शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

दो दिन से दुकान पर सामान लेने नहीं आया था पति अपार्टमेंट में दुकान चलाने वाले रमेश ने बताया कि प्रदीप रोजाना उसकी दुकान पर दूध, टोस्ट और बिस्किट सहित अन्य सामान लेने आता था, लेकिन पिछले दो दिन से वह दुकान पर नहीं आया। इसी दौरान कमरे से दुर्गंध उठने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के समय कमरे में मौजूद तीनों बच्चों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बद्रीनाथ-जोशी मठ के बीच बीच हेलिकॉप्टर क्रैश, पायलट समेत 6 लोग सवार



24 न्यूज अपडेट उत्तराखंड। बद्रीनाथ और जोशीमठ के बीच शुक्रवार को बड़ा हेलिकॉप्टर हादसा हुआ। ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का हेलिकॉप्टर पायलट कैप्टन हिमांशु समेत छह लोगों को लेकर जा रहा था। हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्रधारा के लिए उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान अचानक संपर्क टूट गया और ट्रेकिंग सिस्टम पर भी उसकी लोकेशन मिलनी बंद हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सेना ने जोशीमठ के पास हेलिकॉप्टर

कैश होने की पुष्टि की है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई। एसडीआरएफ की टीम पहाड़ी पर चढ़कर राहत एवं बचाव अभियान चला रही है।

जेपी डैम के ऊपर जंगल में आग की सूचना

आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी के अनुसार, जेपी डैम के ऊपर जंगल में संफेद रंग की किसी चीज में आग लगने की सूचना मिली है। इसकी जांच के लिए दूसरे हेलिकॉप्टर भेजे गए हैं। डीएसपी मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि घटना से जुड़ी जानकारीयों जुटाई जा रही हैं। फिलहाल हादसे में हताहतों की संख्या को लेकर

आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

पायलट समेत पांच यात्री सवार

हेलिकॉप्टर में पायलट कैप्टन हिमांशु के अलावा प्रतापा, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के. और एचएस नटराज सवार थे। हादसे के बाद एहतियाती कदम उठाते हुए ट्रांस भारत एविएशन के सभी हेलिकॉप्टरों की उड़ानें रोक दी गई हैं। उत्तराखंड के कई इलाकों में शुक्रवार को बारिश और बर्फबारी के कारण मौसम खराब बना हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों में अचानक बदलता मौसम हेलिकॉप्टर परिचालन के लिए चुनौती पैदा करता है। हालांकि, इस हादसे की वजह की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2020 से जुलाई 2025 के बीच उत्तराखंड में सात हेलिकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थीं, जिनमें 21 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, वर्ष 2023 से 2025 के दौरान छह हेलिकॉप्टर हादसे दर्ज किए गए थे।

कई बिंदुओं की जांच की गई। मौके पर पेट्रोल के स्टॉक में एक लीटर और डीजल में 134 लीटर का अंतर मिला। हालांकि, जांच दल ने दोनों का अंतर निर्धारित सीमा के भीतर पाया। ईंधन की माप भी सही मिली, लेकिन हवा भरने की मशीन खराब और पीने के पानी में गंदगी मिलने से पंप की सुविधाओं पर सवाल उठे। जिला रसद अधिकारी हरिप्रसाद बलाई, अधिशासी अधिकारी लालशंकर डामोर और प्रवर्तन निरीक्षक प्रदीप परमार की टीम ने पंप के रिकॉर्ड, ईंधन स्टॉक, माप व्यवस्था और उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जांच की। डीजल के स्टॉक में 134 लीटर का अंतर रिकॉर्ड के अनुसार, 28 अक्टूबर तक पेट्रोल का शुरुआती स्टॉक 8,865 लीटर था। इसमें से 992 लीटर की बिक्री के बाद रजिस्टर में 7,873 लीटर शेष दर्ज था, जबकि मौके पर 7,872 लीटर मिला। इस

करवा चौथ पर चांद देखने आंगन में आई महिला पर लेपर्ड का हमला, पैर पर गड़ाए नाखून



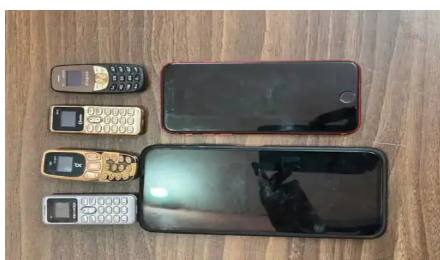
24 न्यूज अपडेट सवाई माधोपुर। करवा चौथ की रात चंद्र दर्शन की तैयारी कर रही एक महिला पर लेपर्ड ने हमला कर दिया। महिला घर के आंगन में खड़ी होकर चांद देख रही थी, तभी अचानक झपटे लेपर्ड ने उसके पैर पर नाखून गड़ा दिए। हमले में टोडरा गांव निवासी संध्या बैरवा गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें तत्काल सवाई माधोपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद गांव में वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर भय का माहौल है।

पंचायतीराज चुनाव में ठेके बंद तो थार में भरकर ले जा रहे थे शराब! 26 कार्टन जब्त, दो गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। पंचायतीराज चुनाव के बीच शराब की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए सागवाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिंद्रा थार से अंग्रेजी शराब और वीयर के 26 कार्टन जब्त किए हैं। पुलिस ने कार सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर वाहन भी जब्त कर लिया।

जेल में औचक तलाशी, बैरकों से 6 मोबाइल और चार्जिंग केबल समेत प्रतिबंधित सामग्री बरामद



24 न्यूज अपडेट प्रतापगढ़। जिला कारागृह में बंदियों तक प्रतिबंधित सामग्री पहुंचने का मामला सामने आया है। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को जेल में औचक तलाशी ली। इस दौरान बैरकों से छह मोबाइल फोन, चार्जिंग उपकरण, इयरफोन और तंबाकू समेत अन्य सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने सामग्री जब्त कर प्रतापगढ़ थाने में मामला दर्ज किया है।

तरह पेट्रोल में एक लीटर का अंतर सामने आया। डीजल का शुरुआती स्टॉक 15,376 लीटर दर्ज था। 1,900 लीटर की बिक्री के बाद रिकॉर्ड में 13,476 लीटर शेष था, जबकि मौके पर 13,342 लीटर मिला। इस तरह डीजल के स्टॉक में 134 लीटर का अंतर पाया गया। निरीक्षण दल के अनुसार, दोनों ईंधनों में मिला अंतर निर्धारित सीमा के भीतर था। माप सही, लेकिन लाइसेंस रजिस्टर नहीं मिला बाट एवं माप विज्ञान विभाग के पांच लीटर के कोनिकल माप से ईंधन की डिलीवरी जांची गई, जो संतोषजनक रही। कैलिब्रेशन सत्यापन रिपोर्ट, हाइड्रोमीटर और थर्मामीटर की सत्यापन रिपोर्ट तथा रिटेंशन नमूने भी नियमानुसार दर्ज मिले। ईंधन का भंडारण विस्फोटक विभाग से स्वीकृत क्षमता के अनुसार पाया गया। हालांकि, निरीक्षण के दौरान लाइसेंस रजिस्टर मौके पर उपलब्ध नहीं मिला।

शोर मचाने पर जंगल की ओर भागा वन्यजीव

घटना सवाई माधोपुर जिले की फलोदी रेंज के टोडरा गांव की है। जानकारी के अनुसार, करवा चौथ की रात संध्या बैरवा घर के आंगन में चंद्र दर्शन के लिए खड़ी थीं। इसी दौरान घात लगाए बैठे लेपर्ड ने अचानक उन पर हमला कर दिया। महिला के घायल होने पर आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद वन्यजीव मौके से भाग गया। हमले से कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

वन विभाग से गश्त बढ़ाने की मांग

घटना के बाद टोडरा सहित आसपास के गांवों में वन्यजीवों की आवाजाही को लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, वन्यजीवों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि आबादी के नजदीक वन्यजीवों की मौजूदगी को देखते हुए सतर्कता बढ़ाना जरूरी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार लोकेश भोई की मौत, पत्नी ने दर्ज कराया मामला उदयपुर। कमलोद क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार लोकेश भोई की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पत्नी पिकी भोई (32) निवासी टीला का खेड़ा, मटून ने प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए लोकेश की स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सहायक उपनिरीक्षक अमर सिंह को सौंपी है।

100 फीट रोड पर बाइक की टक्कर से युवक घायल, चालक के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर। सबिना थाना क्षेत्र में 100 फीट रोड पर वाहन की टक्कर से एक युवक घायल हो गया। मामले में लकड़वास निवासी छगनलाल व्यास (52) ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि आरजे 27 सीएल 6473 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनके बेटे को टक्कर मार दी। दुर्घटना में उनका बेटा घायल हो गया। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच सहायक उपनिरीक्षक जीवतराम को सौंपी है।

भामटी में महिला से जबरन दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

फलासिया। थाना क्षेत्र के भामटी में एक महिला ने कमलेश नामक व्यक्ति पर जबरन दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच फलासिया थानाधिकारी वेलाराम कर रहे हैं। पुलिस शिकायत के आधार पर प्रकरण के तथ्यों की जांच कर रही है।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर बिना लाइसेंस गाइडिंग करते 9 पकड़े, ड्रोन निगरानी में 2 संदिग्ध भी डिटेल

चित्तौड़गढ़। ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर पर्यटकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सख्ती की है। शुक्रवार को बिना वैध लाइसेंस पर्यटकों को गाइडिंग करते मिले 9 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, ड्रोन से निगरानी के दौरान कार छोड़कर भागे दो व्यक्तियों को भी डिटेल किया गया। पुलिस ने सभी 11 लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 और 170 के तहत निवारक कार्रवाई की। कार्रवाई में पंकज जागा, नवीन उर्फ टीटू, आयुष सिंगोलिया, सरफराज, पुष्कर गंगवाल, प्रीतम शर्मा, मनीष सालवी, विशाल उर्फ ईशु और मोहन गाडरी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दुर्ग क्षेत्र में अनधिकृत गतिविधियों पर अंकुश लगाने और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बढ़ाई गई है। ड्रोन से भी क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है।

उधारी के विवाद में ढाबे पर खूनी हमला, चाकू से दो युवकों को गोदा; बीच-बचाव करने वाला भी घायल

उदयपुर। जिले के भटेवर में नेशनल हाईवे स्थित एक ढाबे पर उधारी के पैसों को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। कहासुनी के दौरान ढाबा संचालक शुभम सालवी पर चाकू से हमला करने का आरोप है। बारदात में ललित खारोल और गोविंद प्रजापत घायल हो गए। दोनों को चाकू लगने से गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, ललित और गोविंद रीजन पावरटेक कंपनी के पास स्थित ढाबे पर रुके थे। सिगरेट लेने के दौरान पुरानी उधारी के लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हुआ। बीच-बचाव करने पहुंचे गोविंद के पैर पर चाकू से वार किया गया। इसके बाद ललित पर हमला किया गया, जिससे उसके हाथ और जांघ में चोटें आईं। अचानक हुए हमले से ढाबे पर अफरा-तफरी मच गई। खेरोदा थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दीपावली मेले की दूसरी शाम रेपरिया बालम और फकीरा खान के नाम, राजस्थानी गीतों पर झूमे दर्शक आज टाउन हॉल में सजेगी पलक मुच्छल की सिंगर नाइट



गायिका पलक मुच्छल की सिंगर नाइट को लेकर शहरवासियों में उत्साह है।

दीप प्रज्वलन के साथ सांस्कृतिक संध्या का आगाज

दीपावली मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ महापौर पारस सिंघवी, पूर्व सांसद दीपावली मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ महापौर पारस सिंघवी, पूर्व सांसद

अर्जुनलाल मीणा, सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति कैलाश डागा, पूर्व डीजीपी मनोज भट्ट, पूर्व संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, समाजसेवी राहुल बड़ाला, राजस्थान पत्रिका के संपादक राजीव जैन, शैलेंद्र चौहान, करण सिंह शाकावत, दीपक वसीटा, हेमंत जोशी, प्रतापराय चुग, कमल बाबेल, जमनेश धूपड, नरेंद्र पालीवाल, बार एसोसिएशन अध्यक्ष जितेंद्र जैन, डॉ. शोभालाल औदित्य, चितन लोढा और अरुण मांडोट सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती और भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

रेपरिया बालम के गीतों में राजस्थान का शौर्य और लोकसंस्कृति

प्रसिद्ध राजस्थानी गायक रेपरिया बालम यानी अशोक मंडा ने 'मारो राजस्थान' गीत से अपनी प्रस्तुति शुरू की। इसके बाद 'लाल पीली अखियां', 'बन्ना जी रौबिन हुड' और 'इलायची' जैसे गीतों ने दर्शकों को झुमे पर मजबूर कर दिया। हिंदी देशभक्ति गीतों, राजस्थानी लोकधुनों और आधुनिक फ्यूजन के संगम ने कार्यक्रम में अलग रंग भर दिया।

महाराणा प्रताप की शौर्यगाथा पर आधारित गीत ने वीरता और स्वाभिमान की भावना को स्वर दिया। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर क्षेत्र से जुड़े रेपरिया बालम राजस्थानी लोकसंगीत को आधुनिक अंदाज में पेश करने के लिए पहचाने जाते हैं। उनकी प्रस्तुतियों ने युवा दर्शकों के साथ लोकसंगीत प्रेमियों का भी ध्यान खींचा।

फकीरा खान के 30 कलाकारों ने बांधा समां

बाड़मेर के मांगणियार गायक फकीरा खान और उनके 30 सदस्यीय दल ने पारंपरिक राजस्थानी गायकी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मां करणी के गीत से शुरुआत हुई तो पूरा परिसर तालियों से गुंज उठा।

इसके बाद 'वारी जाऊं रे बलिहारी जाऊं रे' और 'केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश' जैसे गीतों ने राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत की छटा बिखेरी। दल ने पारंपरिक गायकी के साथ लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां भी दीं। 'आवो आवो मेरे कृष्ण आवो', 'ठरकी छोकरा' और 'बापू सेहत के लिए तू तो हानिकारक है' जैसे गीतों ने कार्यक्रम में विविधता का रंग भरा।

फकीरा खान ने बताया कि राजस्थानी संस्कृति और पारंपरिक संगीत को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाना उनके परिवार का मुख्य उद्देश्य है। बच्चों को पढ़ाई के साथ पारंपरिक गीतों की शिक्षा भी दी जाती है, ताकि लोकसंगीत की विरासत कायम रहे। उनके अनुसार, करीब 100 से अधिक सदस्य इस कला को जीवंत रखने के प्रयासों से जुड़े हैं।

आज पलक मुच्छल की सिंगर नाइट

नगर निगम उपायुक्त एवं मेला अधिकारी हरि सिंह देवल के अनुसार, शुक्रवार को प्रसिद्ध गायिका पलक मुच्छल अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी। पलक मुच्छल ने 'आशिकी 2' के 'चाहूँ मैं या ना' और फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' के 'कौन तुझे' जैसे लोकप्रिय गीतों से देशभर में पहचान बनाई है। उनकी सिंगर नाइट को लेकर मेले में खास उत्साह है।

सुविधि में 64 शिक्षकों के प्रमोशन पर पांच साल से ब्रेक, तीसरे दिन भी कुलपति कार्यालय के बाहर धरना

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (सुविधि) में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (CAS) के तहत पदोन्नति की मांग को लेकर शिक्षकों का अनिश्चितकालीन धरना लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। पांच साल से लंबित प्रमोशन प्रक्रिया और प्रशासनिक उदासीनता से नाराज शिक्षकों ने कुलपति कार्यालय के बाहर और प्रशासनिक भवन के सामने मोर्चा खोल रखा है। शिक्षकों का कहना है कि पात्रता जांच पूरी होने के बावजूद प्रदेश सरकार की मंजूरी के नाम पर पदोन्नति के प्रस्ताव अटके हुए हैं। आंदोलन के दौरान अब तक विश्वविद्यालय प्रशासन का कोई अधिकारी उनसे आधिकारिक वार्ता के लिए नहीं पहुंचा और न ही कोई ठोस आश्वासन दिया गया है।

64 शिक्षकों की पदोन्नति शासन की मंजूरी में अटकी

शिक्षकों के अनुसार, विश्वविद्यालय के 64 शिक्षकों की पदोन्नति के प्रस्ताव लंबित हैं। इनकी पात्रता जांच आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) पूरी कर चुका है, लेकिन शासन स्तर पर प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से पदोन्नतियां अटकी हुई हैं। इनमें 13 सह-आचार्यों को आचार्य पद पर



पदोन्नत करने के प्रस्ताव के साथ वर्ष 2012 या उसके बाद नियुक्त सहायक आचार्यों को एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति देने के मामले भी शामिल हैं। शिक्षकों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से आश्वासन मिलने के बावजूद प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। इससे उनके मनोबल और कार्यप्रेरणा पर असर पड़ रहा है। बुधवार को इसी नाराजगी के बीच शिक्षकों ने धरना शुरू किया था, जो तीसरे दिन भी जारी रहा। मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है।

प्रमोशन में देरी से शोधार्थियों को भी नुकसान

पदोन्नति का मामला केवल शिक्षकों तक सीमित नहीं है। इसके लंबित

रहने से विश्वविद्यालय में शोध के अवसर भी प्रभावित हो रहे हैं। शिक्षकों के मुताबिक, नियमानुसार पदोन्नति होने पर प्रत्येक पात्र शिक्षक को पीएचडी की दो अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं। इस आधार पर 64 शिक्षकों की पदोन्नति से करीब 128 अतिरिक्त शोध सीटें उपलब्ध होने की संभावना है। इसके अलावा टीएसपी क्षेत्र के जनजातीय विद्यार्थियों के लिए सुपरन्यूमेरी सीटों में संभावित वृद्धि भी अटकी हुई है।

एरियर का वित्तीय बोझ भी बढ़ने की आशंका

शिक्षकों का दावा है कि पदोन्नति में देरी के कारण प्रत्येक शिक्षक के करीब 20 लाख रुपए तक के एरियर का मामला जमा हो गया है। समय पर पदोन्नति होती तो यह वित्तीय भार अलग-अलग समय पर आता, लेकिन अब लंबित मामलों का निपटारा होने पर विश्वविद्यालय पर एक साथ बड़ी राशि का भुगतान करने का दबाव पड़ सकता है। धरनारत शिक्षकों की मांग है कि पात्रता जांच पूरी होने के बाद पदोन्नति प्रक्रिया को जल्द अंतिम रूप दिया जाए और शासन स्तर पर लंबित प्रस्तावों की मंजूरी के लिए प्रभावी पहल की जाए। फिलहाल विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बातचीत नहीं होने से शिक्षकों में असंतोष बना हुआ है।

राष्ट्रीय एकता दिवस: फतहसागर की पाल पर रन फोर युनिटी मैराथन शनिवार को, सुबह 11 बजे अधिकारी-कर्मचारी लेंगे राष्ट्रीय एकता की शपथ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 अक्टूबर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर शनिवार को उदयपुर जिला मुख्यालय पर रन फॉर यूनिटी मैराथन का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल

की पाल (टायो पैलेस) तक आयोजित की जाएगी। आयोजन को सुचारू और सफल बनाने के लिए उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त को प्रभारी अधिकारी तथा जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए विभिन्न प्रशासनिक

अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिला प्रशासन ने जिले के समस्त सरकारी व निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, और विभिन्न खेल छात्रावासों के छात्र-छात्राओं व खिलाड़ियों को इस दौड़ में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के निर्देश दिए हैं। कलक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को पूरी गरिमा के साथ संपन्न कराने के निर्देश जारी किए हैं। इसी प्रकार सुबह 11 बजे कलक्ट्रेट परिसर में शपथ कार्यक्रम होगा। इसमें सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर राष्ट्रीय एकता को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ दोहराएंगे।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखा एवं व्यवसायिक सांख्यिकी विभाग में प्रो. जे.के. जैन का अभिनंदन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर जे.के. जैन के भारतीय लेखांकन परिषद (INDIAN ACCOUNTING ASSOCIATION) IAA के महासचिव पद पर निर्वाचन होने पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखा एवं व्यवसायिक सांख्यिकी विभाग उदयपुर में उनका अभिनंदन किया गया। प्रो. जैन का निर्वाचन हाल ही में केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा में आयोजित 48वें अखिल भारतीय लेखांकन सम्मेलन के दौरान हुआ। इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने प्रो. जैन का अभिनंदन करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में भारतीय लेखांकन परिषद शैक्षणिक एवं

शोध के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की NET परीक्षा में वाणिज्य विषय के अतिरिक्त लेखांकन का एक अलग प्रश्नपत्र भी निर्धारित किया जाना चाहिए, क्योंकि वर्तमान समय में लेखांकन का क्षेत्र अत्यंत व्यापक हो गया है तथा इसमें विशेषज्ञता की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. कैलाश डागा तथा गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय के कुलगुरु तथा उदयपुर आई ए ए ब्रांच के चेयरमैन प्रो शिव सिंह सारंगदेवोत ने भी प्रो. जैन को उनकी उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर वाणिज्य महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह ने कहा कि प्रो. जैन एक अनुभवी एवं विद्वान शिक्षाविद् हैं। उन्हें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय लेखांकन संघ निरंतर प्रगति करेगा और लेखांकन शिक्षा एवं अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी। प्रो. जैन ने अपने उद्बोधन में कहा की मुझे तो विरासत में लहराता हुआ खेत मिला है इसकी सुरक्षा एवं प्रगति मेरी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी। कार्यक्रम में वाणिज्य महाविद्यालय के बैंकिंग विभाग के इंचार्ज-विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह राव, सह-अधिष्ठाता डॉ. शिल्पा वार्डिया तथा फैकल्टी सदस्य डॉ. आशा शर्मा, डॉ. रेणु शर्मा, डॉ. पारुल दशोरा एवं रिसर्च स्कॉलर्स सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

पंच गौरव योजना के तहत ब्लॉक स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता, ऋषभदेव, खैरवाड़ा और नयागांव के तैराकों ने जीते पदक



24 न्यूज अपडेट

खैरवाड़ा। राजस्थान सरकार की पंच गौरव योजना के तहत 'एक जिला, एक खेल' कार्यक्रम में ब्लॉक स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन अतिथि पैलेस होटल, खैरवाड़ा के तरणताल में किया गया। जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल और जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल के निदेशानुसार आयोजित प्रतियोगिता में ऋषभदेव, खैरवाड़ा और नयागांव के तैराकों ने उत्साह से भाग लिया। विजेताओं को मेडल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। ऋषभदेव में आयोजित मुकाबलों में संजय मीणा,

सीमा मीणा, गौरव मीणा, नैतिक मीणा और रेहीना वामना सहित प्रतिभागियों ने स्वर्ण पदक जीते। भावना मीणा, सुशीला मीणा, मल्लिका मीणा, ऋषभ मीणा और अश्विन मीणा ने रजत पदक हासिल किए। आयुष मीणा, साहिल मीणा, विशाल मीणा, हेमलता मीणा और हिमांशी मीणा ने कांस्य पदक जीते। खैरवाड़ा ब्लॉक में मधु मीणा, मंदीप मीणा और निपीका कलासुआ ने स्वर्ण पदक हासिल किए। राधा, जोगेंद्र, अजीत आर्यन बरंडा, लावण्य और निरमा ने रजत, जबकि खुशबू मीणा, अजीत और साहिल ने कांस्य पदक जीते। नयागांव ब्लॉक में अरुणा, मेहुल, राकेश, रोहित और प्रशांत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। मयूर, विनोद, विश्राम और किशन ने रजत पदक जीते। विकास, जतिन, संजय, नमन और अभिषेक डामोर ने कांस्य पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में निर्णायक भारत भूषण जोशी, लक्ष्मणलाल बरंडा, लालुराम मीणा, अविनाश मीणा, लालशंकर मीणा और अरुणा मीणा मौजूद रहे। दल प्रभारी बहादुर सिंह मीणा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भारत भूषण जोशी ने किया। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।